बार बार आए जाए दुनिया मे प्राणी भजन लिरिक्स

बार बार आए जाए,
दुनिया मे प्राणी,
हरि के भजन बिन,
क्या है जिन्दगानी।bd।

तर्ज – परदेशियो से ना अँखिया।

कितनी सज़ाऐ तूने,
नर्क मे पाई,
फिर भी गुरु की तुझे,
याद न आई,
फिर भी गुरू की तुझे,
याद न आई,
याद न आई काहे,
सुध बिसरानी।
बार बार आए जाये,
दुनिया मे प्राणी,
हरि के भजन बिन,
क्या है जिन्दगानी।bd।

जप तप ना कभी,
दान किया है,
झूठा बस अभि,
मान किया है,
झूठा बस अभि,
मान किया है,
की है मनमानी पर,
गुरू की न मानी।
बार बार आए जाये,
दुनिया मे प्राणी,
हरि के भजन बिन,
क्या है जिन्दगानी।bd।

दुनिया आया है तो,
जाएगा इक दिन,
समय न गँवाना जग मे,
प्राणी के भजन बिन,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समय न गँवाना जग मे,
प्राणी भजन बिन,
फिर पछिताएगा जो,
कदर न जानी।
बार बार आए जाये,
दुनिया मे प्राणी,
हरि के भजन बिन,
क्या है जिन्दगानी।bd।

बार बार आए जाए,
दुनिया मे प्राणी,
हरि के भजन बिन,
क्या है जिन्दगानी।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923
/7987402880

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com